भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3884 का उत्तर

बिहार के सारण जिले में राजापट्टी स्टेशन से नई रेललाइन

3884. श्रीमती वीणा देवी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिहार के सारण जिले में राजापट्टी स्टेशन से मुजफ्फरपुर में साहेबगंज होते हुए मोतीपुर रेलवे स्टेशन तक नई रेललाइन बिछाने के लिए स्थल सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और नई रेललाइन का निर्माण कब तक शुरू किए जाने की संभावना है; और
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य-वार/जिला-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य/जिला की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक कारकों आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफारवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करती हैं।

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय

और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेलवे-वार ब्यौरा पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है।

राजापट्टी और मोतीपुर मौजूदा रेलवे नेटवर्क से मुजफ्फरपुर और छपरा के रास्ते पूरी तरह से जुड़े हुए हैं। साहिबगंज चालू हाजीपुर-सगौली नई लाइन परियोजना पर एक प्रस्तावित स्टेशन है। साहिबगंज के रास्ते राजापट्टी से मोतीपुर (58 किमी) के बीच नई रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण किया गया था और अत्यंत कम यातायात क्षमता के कारण परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 79,356 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 5,064 किलोमीटर लंबाई की 55 परियोजनाएं (31 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 22 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं जिनमें से 1194 किलोमीटर कमीशन की जा चुकी है और मार्च 2024 तक 26,983 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। सारांश इस प्रकार है: -

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किमी में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (किमी में)	मार्च, 2024 तक कुल व्यय (करोड़ में)
नई लाइनें	31	2712	464	13629
आमान परिवर्तन	2	348	288	1520
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	22	2005	442	11834
कुल	55	5064	1194	26983

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है -

अवधि	परिव्यय
2009-2014	1132 करोड़ रु. प्रतिवर्ष
2024-2025	10,033 करोड़ रु. (लगभग 9 गुना)

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली नई पटरियों को कमीशन करने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है -

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	औसतन कमीशन किए गए नए रेलपथ
2009-14	318 कि.मी	63.6 कि.मी.
2023-24	361 कि.मी.	361 कि.मी. (5 गुना से अधिक)

*****